**धारा 152, सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में...............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

अति सादरपूर्वक प्रदर्शित करता है ।

1. यह कि आवेदक /वादी वाद सम्पत्ति के कब्जा हेतु इस आदरणीय न्यायालय के समक्ष एक वाद दाखिल किया था। उपर्युक्त वाद सं....................सन्...................200 में तारीख...................को डिक्री पारित कर दी गयी।
2. यह कि डिक्री में वर्णित वाद सम्पत्ति के वर्णन मूल के कारण वही नहीं थी जिसको वाद में दिया गया है। यह लोप उस समय परेशानी का सृजन करने जा रही है जब डिक्री निष्पादन में रखी जायेगी
3. यह कि डिक्री में वर्णित वाद सम्पत्ति के वर्णन मूल के कारण वही नहीं थी जिसको वाद में दिया गया है। यह लोप समय परेशानी का सृजन करने जा रही है जब डिक्री निष्पदन में रखी जायेगी।

**प्रार्थना**

अतएव, यह प्रार्थना की जाती है कि आदरणीय न्यायालय डिक्री में कथित गलती को सही करें और सम्पत्ति का वर्णन वादपत्र में दी गयी सम्पत्ति के वर्णन की संपुष्टि में दिया जाय। यह तदनुसार अनुरोध किया जाता है

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान.......**

**तारीख.....**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में...............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

मैं.............निवासी. ...........निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् घोषणा करता हूं

1. यह कि दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

.........में इस तारीख. ..... को यह सत्यापित किया गया कि शपथपत्र की अर्न्तवस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम् सहीं है।

**शपथकर्ता**

**धारा 152...................डिक्री का संशोधन**

सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 34 नियम 4 के अधीन प्रारम्भिक डिक्री पारित करने की अग्रिम प्रार्थना के साथ बैंक द्वारा एक वसूली वाद में यदि न्यायालय मात्र धनीय डिक्री पारित की हो तो इसको सुधारा/संशोधित किया जा सकता था।